

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- लण्ड 3--- उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशिय

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 341]

नर्द बिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 15, 1970/भाव 24, 1892

No. 341]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 15, 1970/BHADRA 24, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part' in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th September 1970

- S.O. 3115.—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that every licensed dealer, refiner or other person who makes a consolidated quarterly declaration under section 16 of the said Act, read with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Insurance, No. S.O. 377, dated 24th January, 1969, shall be exempted from the provisions of subsection (10) of section 16 of the said Act, if—
 - (i) he endorses, on the copy of the consolidated quarterly declaration retained by him, the date on which the further consolidated declaration for the quarter immediately following was made by him and the number under which that declaration was recorded in the office of the Gold Control Officer; and
 - (ii) such endorsement is made within fifteen days from the da'e on which the copy of the said further quarterly declaration as recorded by the Gold Control Officer is received back by such licensed dealer, refiner or other person.

[No. F. 1/198/68-GC. II.] JASJIT SINGH, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

राजस्य घोर बीमा विभाग

प्रधिसूचन(

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1970

काश्या 3115 - स्वणं (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त सित्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, एतद्वारा निदेश देती है कि प्रत्येक अनुक्रप्त ब्यौहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति को, जो भारत सरकार के राजस्व और बीना विभाग की अधिसूचना संक्का आत 377, तारीख 24-1-1969 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 16 के अधीन समेकित बैमासिक घोषणा करता है, उक्त अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (10) के उपबन्धों से मुक्त कर विया जायेगा यदि—

- (i) वह अपने पास रखी गई समेकित तैमासिक विवरण की प्रतिपर वह तारीख जिस को उसके द्वारा ठीक पंश्वातवर्ती तिमाही के लिए प्रतिरिक्त समेकित घोषणा की गई थी, प्रौर वह संख्या जिसके अन्तर्गत वह घोषणा स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी के कार्यालय में अधिलिखित की गई थी, गृष्ठांकित करता है; ग्रौर
- (ii) ऐसा पृष्ठांकन उस तारीख से, जिसको स्वर्ण नियंत्रण अधिकारी द्वारा यथा-अभिलिखित उक्त अतिरिक्त जैमासिक घोषणा की प्रति ऐसे अनुज्ञप्त ब्योहारी, परिष्कारक या अन्य व्यक्ति को वापिस मिलती है, पन्त्रह दिन के अन्वर किया जाता है।

[सं॰ एफ॰ 1/198/68-जी॰सी॰II .] जसजीत सिंह, संयुक्त राषिध।